तिरंगा लहराते चलो - सुकन्या दत्ता

तिरंगा लहराते चलो
अधर्म फैलाते चलो
देश को मिली आजादी तो
आजादी लुटाते चलो
तिरंगा लहराते चलो
भेद-भाव बढ़ाते चलो
जीवन की बलि चढ़ाते चलो
पल पल खुद बिको और
वतन को बेचते चलो
तिरंगा लहराते चलो
गुरूर को अपनाते चलो
विश्वास को कुचलते चलो
सुरूर को गले लगाते हुए
महफ़िल सजाते चलो
तिरंगा लहराते चलो
समय को बदलते चलो
कुर्बानियों को भुलाते चलो
जो है सो आज है
कल को खामोश करते चलो
तिरंगा लहराते चलो
चेहरा छुपाते चलो
ज़मीर को मिटाते चलो
ए आज़ाद भारत के लोगों
विनाश का डंका बजाते चलो
तिरंगा लहराते चलो